

सन्दर्भ ग्रन्थ-सूची

ए.आर. देसाई : अर्बन फेमिली एण्ड फेमिली प्लानिंग इन इण्डिया,
पापुलर प्रकाशन, बाम्बे, 1980.

अरुण कुमार सिंह : औद्योगिक एवं संगठनात्मक मनोविज्ञान, 1999.

एण्टी सलेवरी रिपोर्ट, एन्टी-सलेवरी इण्टरनेशनल, लन्दन, सितम्बर
1997.

ए.डी. रॉस: द हिन्दू फेमिली इन इट्स अर्बन सेटिंग, आक्सफोर्ड
यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 1973.

आर्नोल्ड टी. फेल्डमैन: आर्गनाइजेशनल बिहेवियर, 1986.

आशारानी होरा: 'कमारु बच्चे और मुट्ठी की तकदीर', कुरुक्षेत्र,
फरवरी-मार्च, 4-5, 11-13, ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार
मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली, 1997.

बृजेश पाण्डेय : ग्रामीण क्षेत्रों में बाल श्रमिकों के स्वास्थ्य प्रस्थिति
का समाजशास्त्रीय अध्ययन (अप्रकाशित शोध-प्रबन्ध, काशी
हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी), 2001.

बी.के. पटनायक 1998 – बाल विकास के बेहतर प्रयास योजना
नवम्बर 42 (8).

ब्लम एण्ड नेलर: इण्डिस्ट्रीय साइकोलॉजी, 1984.

ब्राउन एण्ड रूसोक :ओवर रेशियल एण्ड नेशनल मेनॉरिटीस.

भारत सरकार: समाज कल्याण तथा पिछड़ा वर्ग अध्ययन की रिपोर्ट.

'बाल श्रम समस्या व उन्मूलन' विषयक गोष्ठी, पंचायत भवन, जंसा,
वाराणसी में दिनांक 21.12.2006.

बी.एन. ज्येल एण्ड अदर्स: 'चाइल्ड लेबर – द ट्वाइस
एक्सप्लाइटेड', गांधीयन इंस्टीट्यूट ऑफ स्टडीज, वाराणसी,
1985.

चाइल्ड लेबर इन एशिया, सम प्रसपेक्टिवस ऑ सलेक्टेड कन्ट्रीज
इण्टरनेशनल डवलपमेंट, इशू 49, अशद, जुलाई 1997.

चाइल्ड लेबर द इम्पेक्ट ऑफ अर्ली इम्प्लायमेंट ऑन प्रोडेक्टिविटी
एण्ड वेजेस : एन एक्सपलेन्ट्री स्टडी इन फोर अनअर्गनाइज्ड
सेक्टर इण्डस्ट्रीज इन इण्डिया, 1996, प्रीफेस, एडमिनिस्ट्रेटिव
स्टॉफ कॉलेज ऑफ इण्डिया, चाइल्ड लेर एक्शन एड सपोर्ट
प्रोजेक्ट इण्टरनेशनल लेबर आर्गनाइजेशन, दिल्ली,

सी. टटल : हार्ड वर्क इन फैक्टरिज एण्ड माइन्स: द इकोनामिक्स ऑफ चाइल्ड लेबर डूरिंग द ब्रिटिश इन्डस्ट्रीयल रेवोलूशन, वेस्टवियू प्रेस, बोल्डर, 1999.

सी. गूटार्ट एण्ड एच.ए. पैट्रिऑस : द पॉलिसी एनालिसिस ऑफ चाइल्ड लेबर – ए कम्परेटिव स्टडी, सेंट मैरिन प्रेस, न्यूयार्क, 1999.

दिलीप कुमार : बाल श्रम समस्या और समाधान योजना मई 42 (2), 1998.

इ. दुर्खिम : दी रूल्स ऑफ सोसियोलाजिकल मेथड, फ्री प्रेस, न्यूयार्क, 1950.

फिलिप एरिस : सेन्चुरी ऑफ चाइल्डहुड, जॉनसन केपे लि, 1962.

जी.एस.घुरिये : क्लास, कास्ट एण्ड ऑकुपेशन, पापुलर बुक डिपो, बाम्बे, 1961.

ज्ञानपद स्वामी: रिपोर्ट ऑफ द कमेटी ऑफ चाइल्ड लेबर, गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया, मिनिस्ट्री ऑफ लेबर, 1979.

एच. नवी एण्ड शैनिन टी. (एडि.) : इण्ट्रोडक्शन टू दी सोसियोलॉजी आफ डवलपिंग सोसायटीस, मैकमिलन, लन्दन, 1982.

हरप्रीत तुर्का: 'बुरे हाल में हैं बाल मजदूर', समाज कल्याण (मासिक पत्रिका), जनवरी अंक 4, पृ. 19-21, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, समाज कल्याण भवन, नई दिल्ली, 1996.

आई. कर्वे : किनशिप आर्गनाइजेशन इन इण्डिया, डेक्कन कॉलेज, पूना, 1953.

आई.एल.ओ.—आई.पी.ई.सी. रिपोर्ट, मई, 1997.

आई.एल.ओ., चाइल्ड लेबर: टारगेटिंग द इनटेराबिल, इण्टरनेशनल लेबर आफिस, जनेवा, 1996.

जे.पी. दास : एथार्टी, पावर एण्ड फेमिली रिलेशनशिप इन टू प्रीमेटिव ट्राइब्स ऑफ उड़ीसा, दि इस्टर्न एन्थ्रोपलॉजिस्ट, वा. 16, नं. 3, 1968.

जे.सी. कुलश्रेष्ठ : चाइल्ड लेबर इन इण्डिया, आशीष पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1978.

जे.एस. फरनान्डो : चिल्ड्रेन्स राइट्स, सैज पब्लिकेशन, थाउसैण्ड ओकस्.

के. एम. कपाडिया : रूरल फेमिली पैटर्नस : ए स्टडी इनअर्बन—रूरल रिलेशन, सोसियोलाजिकल बुलेटिन, वा. 5, 111-126, 1956.

के.एम. कपाड़िया: मैरिज एण्ड फेमिली इन इण्डिया, आक्सफोर्ड
यूनिवर्सिटी प्रेस, कलकत्ता, 1984.

के. बालेस : डिस्पोसेबल पिपुल : न्यू स्लेवरी इन द ग्लोबल
इकोनॉमी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, ब्रेकले, सी.ए.

कैलाश सत्यार्थी : 'बचपन बचाओ! क्यों और कैसे, प्रकाशन –
दक्षिण एशियाई बाल दासता विरोधी संगठन, नई दिल्ली.

एच.पी. गुप्ता: नारी एवं बाल विधि, इलाहाबाद लॉ एजेन्सी
पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद, 2006.

एल. मिश्रा : चाइल्ड लेबर इन इण्डिया, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस,
न्यूयार्क, 2000.

एम.एन. श्रीनिवास : कास्ट इन मॉडर्न इण्डिया एण्ड अदर ऐस्से,
एशिया पब्लिशिंग हाउस, बाम्बे, 1962.

एम.डी. दूनेते: हैण्डबुक ऑफ इण्डस्ट्रीयल एण्ड आर्गनाइजेशनल
साइकोलॉजी, 1976.

महबूल हक: ह्यूमन डवलपमेंट इन साउथ एशिया, 1997, ह्यूमन
डवलपमेंट सेन्टर, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, कराची,
पाकिस्तान, 1997.

एम. विलियम्स : चाइल्ड लेबर एण्ड स्वीटशापस्, ग्रीन हेवन प्रेस,
सैन डियागो, 1999.

एम. लॉलेट : ए थींग ऑफ द पास्ट? चाइल्ड लेबर इन ब्रिटेन इन द नाइनटीथ एण्ड ट्वंटीन्थ सेन्चुरी, सैंट मैरिन प्रेस, न्यूयार्क, 1999.

मोहम्मद हारून: 'बाल मजदूरी प्रथा: एक सामाजिक कलंक', योजना (मासिक), अप्रैल, पृ. 36-37, 42, 1997.

मुक्ता मित्तल: चाइल्ड लेबर इन आर्गनाइज्ड सेक्टर, अनमोल पब्लिकेशन्स प्रा. लि., नई दिल्ली, 1994.

नीलिमा कुँवर एवं वन्दना वर्मा : ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती बाल मजदूरी 'कुरुक्षेत्र' अगस्त 43 (10), 1998.

नान्सी एल. सदका (यूनिसेफ): समेकित बालविकास सेवाएँ.

नजीर अहमद शाह: चाइल्ड लेबर इन इण्डिया, अनमोल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 1997.

नीरा ब्योरा: चाइल्ड लेबर इन इण्डिया, नेशनल चाइल्ड लेबर इन्स्टीट्यूट, न्योडा, गाजियाबाद, 1995.

नरेन्द्र प्रसाद: 'चाइल्ड लेबर इन इण्डिया', योजना, वा. 34, नं. 8, मई 1-15, 1990.

एन. हास्पेल्स एण्ड एम. जनकनिश : एक्शन अगेन्स्ट चाइल्ड लेबर, ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन, वाशिंगटन.

एन.के. ताहः 'जिस देश का बचपन लुटता हो', समाज कल्याण,
मई, 10-13, 1997.

ओ. न्यूवेनहुइस् : चिल्ड्रेन लाइफवर्ल्डस् : जेन्डर, वेलफेयर एण्ड
लेबर इन डेवलपिंग वर्ल्ड, रूथलेज, न्यूयार्क, 1999.

पी.ए. सरोकिन : सोशल एण्ड कल्चरल मोबिल्टी, दी फ्री प्रेस ऑफ
ग्लेनको, 1927.

रिपोर्ट दैनिक जागरण, वाराणसी, 20.12.2006.

रेडक्लिफ ब्राउनः स्ट्रक्चर एण्ड फंक्शन इन प्रीमेटिव सोसाइटी,
मैकमिलन कं., न्यूयार्क, 1971.

आर. एस. बाँगड़ : भारत में बाल श्रम समस्या एवं समाधान
कुरुक्षेत्र जनवरी 44 (3), 1999.

रमेश कनबगरीः चाइल्ड लेबर - इन द इण्डियन सबकान्टीनेंट
डाइमन्शन एण्ड इम्प्लीकेशन, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली,
1991.

आर.जी. मैकिनटोश : बाँयज इन द पिट्स : चाइल्ड लेबर इन कोल
माइन्स, मैकगिल-क्वीनस् यूनिवर्सिटी प्रेस, इथाका, 2000.

एस. के. त्रिपाठीः चाइल्ड लेबर नीड फार सोशल अवेयरनेस, योजना
23 (2), 1990.

एस. पी. सिंह : चाइल्ड लेबर : दी मैलाडी एण्ड दी रेमडी योजना
जुलाई 41 (7), 1997.

एस. शाइनी देवी: 'चिल्ड्रेन ऑफ ए लेसर गॉड, चाइल्ड लेबर लॉ
एण्ड कम्पलसरी प्राइमरी एजुकेशन', सोशल एक्शन,
जुलाई-सितम्बर, 1994, वा. 44, नं. 3.

श्रीधर पाण्डेय: श्रम समस्याएँ और समाज कल्याण, मोतीलाल
बनारसीदास, दिल्ली, 1996.

शीला बार्से : चाइल्ड लेबर इन पावरलूम इन्डस्ट्री एट भिवान्डी
चाइल्ड लेबर से सम्बन्धित कार्यशाला में इंडियन सोशल
इन्स्टीट्यूट नई दिल्ली में प्रस्तुत शोध-निबन्ध, 1986.

सण्डे नेशनल, 5 जनवरी, 1997.

समरी रिजल्टस ऑफ चाइल्ड लेबर सर्वे इन पाकिस्तान,
इस्लामाबाद: इण्टरनेशनल लेबर आर्गनाइजेशन, इण्टरनेशनल
प्रोग्राम फार द एलिमिनेशन ऑफ चाइल्ड लेबर, 1996.

एस.पी. न्यूमैन : चाइल्ड स्लेवरी इन मॉडर्न टाइम्स, फ्रैंकलिन वाट्स,
न्यूयार्क, 2000.

स्वामी अग्निवेश: 'भारत में बाल दासता', कुरुक्षेत्र, फरवरी-मार्च,
4-5, 11-13, ग्रामीण क्षेत्र एवं रोजगार मंत्रालय, कृषि भवन,
नई दिल्ली, 1997.

यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ लेबर, ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल लेबर
अफेयर्स, 1997.

यूनिसेफ: द स्टेट ऑफ द वर्ल्डस चिल्ड्रेन, 1997.

वी. गोल्डबर्ग. : चिल्ड्रेन एट वर्क, प्रेस्टल, न्यूयार्क, 1999.

वी.वी. गिरि: लेबर प्रॉब्लम्स इन इण्डिया, एशिया पब्लिशिंग हाउस,
बाम्बे, 1956.

विद्याधर अग्निहोत्री: इण्डस्ट्रीयल रिलेशन इन इण्डिया, आत्मा राम
एण्ड सन्स, दिल्ली, 1970.

www.indianchild.com/child_labor_india.htm.

www.childlabour.tn.gov.in



NATIONAL CHILD LABOUR POLICY 1987

Government recognized the need to protect child labour from exploitation and from being subjected to work in hazardous conditions that endanger such children's physical and mental development, and the need to ensure the health and safety of children at the workplace. It recognized that they should be protected from excessively long working hours and from night work, that work even in non-hazardous occupations should be regulated, and all working children should be provided with sufficient weekly rest periods and holidays. The programme of action plan under the national child labour policy comprises:

- a legislative action plan
- focussing on general development programmes for benefiting child labour
- Project- based action plans in area of high concentration of child labour engaged in wage/quasi- wage employment

The legislative action plan

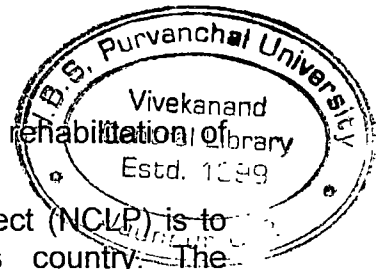
It envisages the strict enforcement of the provisions of the child labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986 and other related legislation. A Child labour Technical Advisory committee had been set up to advise the central Government on addition and processes to the schedule contained in the child labour (prohibition and Regulation) Act, 1986. In Tamilnadu, a state level Advisory board for child labour had been constituted under the chairmanship of the Labour Minister.

Focussing on General Development Programming for Benefiting Child Labour:

In order to successfully rehabilitate child labour withdrawn from employment and to reduce the incidence of child labour progressively, the environment of the child needs to be focused. The on going development programmes in the areas of education, health, nutrition, integrated child development, and the anti-poverty programmes are utilized for the benefit of the child and his family, and this will diminish the compulsions to send the children to work. Children will be encouraged to attend school rather than take up wage employment.

Area specific projects:

In the areas known to have high concentration of child labour project based approach has been adopted for identification, withdrawal and rehabilitation of working children. The National Child Labour Projects (NCLP) were launched for the first time in 1988 in areas of high concentration of child labour. The NCLPs are area-specific; time bound



projects where priority is given to the withdrawal and rehabilitation of children engaged in hazardous employment.

The main objective of the National Child Labour Project (NCLP) is to eliminate the prevalence of child labour in this country. The components of the running of the NCLP are

- (i) Enforcement of the Child labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986, the Factories Act, 1948, the Mines Act, 1952 and such other acts within the project area.
- (ii) Coverage of families of child labour under the income/employment generating programmes under the over aegis of anti poverty programmes.
- (iii) Formal and non-formal education for child labour in hazardous employments. Also, a stepped -up programme of Adult education (Including non formal education) of the parents of the working parents.
- (iv) Setting up of special schools for child workers together with provision of vocational education/training in such special schools, supplementary nutrition, and stipend to the children taken out from the prohibited employments and health care for all the children attending at such special schools
- (v) Creating awareness among the different target groups in the society through governmental and non-governmental organizations to raise their consciousness on the issue of child labour.
- (vi) Survey of child labour in the project areas and also evaluate the progress of the project periodically.

In the year 1994, a National Authority on Elimination of Child Labour was constituted under the Chairmanship by Union Labour Minister with Secretaries of nine Departments of Government of India concerned with Child Labour. In Tamilnadu State Authority on Child Labour was constituted under the chairmanship of Chief Secretary. A State Monitoring Committee on Child Labour has been constituted to monitor the National Child Labour Projects in the State.

www.childlabour.tn.gov.in